development projects, including in the infrastructure sector, in the North East and Sikkim. The funds being credited by various Union Ministries/Departments to the Pool are expected to enable meeting the initial requirements in the current financial year.

Project proposals relating, inter-alia, to the recommendations of the Shukla Commission, are envisaged to be identified, from time to time, for assistance, on merits, from the Central Pool for implementation through appropriate Central/State agencies. Releases amounting to Rs. 93.10 crore have so far been made for the projects in the North East.

विकास संबंधी असुंतलन को ठीक करना

444. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नौवीं पंचवर्षीय योजना के बाद भी देश में विकास संबंधी असुंतलन दूर नहीं हुआ हैं;

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया हैं;

(ग) क्या चालू योजना को कार्यान्वित करने से पूर्व सरकार ने इस बात पर गंभीरता से विचार किया हैं;

(घ)यदि हां, तो इस संबंध में किए जाने वाले परिवर्तनों का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री, संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम नाईक) : (क) से (ड.) नौवीं योजना, पिछली विकास कार्यनीति की सामर्थ्य और कमजोरी के पर्यावलोकन पर आधारित हैं तथा देश के सामाजिक आर्थिक विकास में उपयुक्त दिशा और संतुलन प्रदान करना चाहती हैं, नौंवीं योजना का प्रमुख कार्य, सामाजिक न्याय और भागीदारी के साथ नये युग में प्रवेश करना होगा जिसमें न केवल केन्द्र और राज्य सरकारें बल्कि बहुत बड़ी संख्या में लोग, विशेषकर गरीब लोग भागीदारी आयोजना प्रक्रिया के प्रभावी साधन बन सकते हैं जहां पर न्याय और

समानता सहित विकास सुनिश्चित करने के लिए सार्वजानिक और निजी क्षेत्रक तथा सरकार की सभी श्रेणियों की भागीदारी अनिवार्य होगी। नौवीं योजना ने सामाजिक और भौतिक आधारसंरचना, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी तथा जल नीति के विशिष्ट पहलुओं का चयन किया हैं जिनके लिए पर्याप्त संसाधनों सहित व्यवहार्य, समयबद्व लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए विशेष कार्य योजनाएं की गई हैं।

Disapperance of Alloy Bars from ISRO Centre

445. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned "Three alloy bars disappear from high security ISRO centre" as reported in the Hindustan Times dated 30.1.99;

(b) if so, the facts of the case reported therein;

(c) whether Government have ascertained the causes of disappearance of alloy bars from the high security ISRO centre and fixed any responsibility; and

(d) if so, the steps Government propose to take to avoid such incidents?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHRA RAJE): (a) Yes, Sir.

(b) The Liquid Propulsion System Centre (LPSC), Valiamala near Tiruvananthapuram imported 103 pieces of aluminium bars from France. Out of these, 3 bars were found to be missing from the Stores premises oh 23.1.1999. A Police complaint was lodged and the Police have since arrested 4 persons and the stolen property has been recovered on 3.2.99.

(c) and (d) As soon as the missing of the bars was known, an internal enquiry was ordered into the matter and to suggest remedial measures to prevent recurrence of such incidents. Steps have

been taken to raise the height of the perimeter wall in certain areas and to augment lighting around Stores premises. Security surveillance including partrolling also have been strengthened in the area.

उपग्रहों का प्रक्षेपण

446. **श्री ओंकार सिंह लखावत** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) इस समय भारत के कितने और कौन-कौन से उपग्रह अंतरिक्ष में हैं: इनमें से कितने उपग्रह सुचारू रूप से कार्य कर रहा हैं;

(ख) भविष्य में कौन-कौन से उपग्रह छोड़े जाने की योजना हैं;

(ग) क्या सरकार की इस संबंध में कोई दीर्घकालीन योजना हैं; और

(घ) क्या अंतरिक्ष केन्द्र"फ्रीडम" से जोड़ने और उसे सहयोग देने की कोई योजना हैं?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वसुन्धरा राजे) : (क) इस समय कक्षा में 17 भारतीय उपग्रह हैं। ये निम्नलिखित हैं:

इन उपग्रह में से निम्नलिखित कार्य कर रहे हैं तथा इन उपग्रहों के कार्य प्रत्येक के सामने दिए गए है;

1.एरियाने पैसेजंर नीतभार परीक्षण (एप्पल)
2.विस्तृत रोहिणी उपग्रह श्रृंखला (श्रोत-सी2)
3.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1ए (इन्सैट-1ए)
4.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1बी (इन्सैट-1बी)
5.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1सी (इन्सैट-1सी)
6.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1डी (इन्सैट-1डी)
7.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2ए (इन्सैट-2ए)
8.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2बी (इन्सैट-2बी)
9.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2सी (इन्सैट-2सी)
10.भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2 डी (इन्सैट-2 डी)
11. भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-2डीटी (इन्सैट-2डीटी)
12.भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह-1ए
13.(आई.आर. एस.-1ए)
14.भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-1बी
15. (आई.आर.एस-1बी)
16.भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-पी2
17. (आई.आर.एस.-पी2)
भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-1स (आई.आर. एस.-1सी)
भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-पी3 (आई.आर.एस.-1डी)
भारतीय सूदूर संवेदन उपग्रह-1डी (आई.आर.एस.-1डी)

1.	इन्सैट-1डी	-	दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियों नेटवर्किग, मौसमविज्ञान तथा आपदा चेतावनी सेवाएं।
2.	इन्सैट-2ए	-	दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियो नेटवर्किग, मौसमविज्ञान, खोज और बचाव चेतावनी, आपदा चेतावनी सेवाएं।
3.	इन्सैट-2बी	-	दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियो नेटवर्किग, मौसमविज्ञान, खोज और बचाव चेतावनी एवं आपदा चेतावनी सेवाएं।
4.	इन्सैट-2सी	-	दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण, रेडियो नेटवर्किग,आपदा चेतावनी सेवाएं, प्रायोगिक मोबाइल संचार एवं के.यू. बैंड संचार।
5.	इन्सैट-2डीटी	-	दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसारण।
6.	आई.आर. एस. 1बी	-	प्राकृतिक संसाधनों का सर्वेक्षण और प्रबंध
7.	आई.आर.एस.-1सी	-	प्राकृतिक संसाधनो का सर्वेक्षण और प्रबंध, पर्यावरण का मानीअरन, मानचित्रण के लिए उच्च विभेदन प्रतिबिम्बिकी, वनस्पति के मानीटरन के लिए संक्षिप्त सर्वेक्षण।